माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जायें ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड			परीक्षा का माध्यम
वर्ष–2022 Hindi	0	5	&	English

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

माध्यमिकशिक्षामण्डल,म.प्र.,भोपाल

– 321 –

29680

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में

2	2	1	1	3	2	8	7	4

शब्दों में

दो	दो	एक	एक	तीन	दो	आठ	सात	चार

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

माध्यमिकशिक्षामण्डल,म.प्र.,भोपाल.माध्यमिकशिक्षामण्डल,म.प्र.,भोपाल.माध्यमिकशिक्षामण्डल,म.प्र.,भोपाल

नीचे दिये गये उदाहरण अनुसार रोल नम्बर भरें

उदाहरणार्थ	1	1	2	4	3	9	5	6	8
	एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

क – पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंको में X शब्दों में X

ख – परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 06

ग – परीक्षा की दिनांक 19 02 2022

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

परीक्षा केन्द्र क्रमांक–111138

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जायें ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तनुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया अन्दर के पृष्ठों के अनुरुप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदाकिंत संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
C. S. BANAIT (U.M.S.) V.No. 711 Govt.H.S.S. BANSHAWI	G. S. BARANGE (UMT) V. No.-2243

नोट :– "हायर सेकेन्डरी परीक्षा में केवल वाणिज्य संकाय के विषयों तथा हाईस्कूल में प्रायोगिक विषय को छोड़कर शेष विषयों हेतु नियमित एवं स्वाध्यायी छात्रों के लि पत्र 100 अंकों का होगा किन्तु नियमित छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक का 80% अधि स्वाध्यायी छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक ही अंकसूची में प्रदर्शित किये जायेंगे।"

केवल परीक्षक द्वारा भरा जायें

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंको में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

विशेष नोट :– सिलाई खुली हुई अथवा क्षतिग्रस्त उत्तर पुस्तिका को न तो पर्यवेक्षक वितरण करे और न ही छात्र उपयोग में ले। ऐसी उत्तर पुस्तिका में लिखें उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा।

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जायें → केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जायें → परीक्षार्थी द्वारा भरा जायें →

मध्यप्रदेश
MPBSE

प्रश्न क्र.

प्र० - 1. सही विकल्प का चयन कीजिए-

(i) (ब) जग-जीवन का।

(ii) (अ) तुलसीदास की।

(iii) (ब) जब मन खाली न हो।

(iv) (द) चाँद सिंह को।

(v) (अ) आनन्द यादव।

(vi) (द) उपरोक्त सभी।

प्र० - 2. रिक्त स्थान।

(i) प्रत्याशा।

(ii) लछमिन।

(iii) मराठी।

(iv) अधिक।

(v) उत्साह।

(vi) मात्रिक।

(vii) आकाश।

प्रश्न क्र.

प्र० → 3. सही जोड़ी बनाइए |

(i) बात की चूड़ी मर जाना → (द) बात का प्रभावहीन हो जाना |

(ii) अवधूत → (क) शिरीष के फूल

(iii) सिल्वर वैडिंग → (इ) यशोधर बाबू

(iv) कहानी का केन्द्रीय बिन्दु → (अ) कथानक

M चौपाई छन्द → (ब) 16 – 16 मात्राएँ

P त्सम → (स) संस्कृत के मूल शब्द

B

प्र० → 4. एक वाक्य में उत्तर दीजिए –

S

E (i) सूर्योदय होने पर उषा का जादू टूट जाता है |

(ii) पहलवान लुट्टन सिंह के दो पुत्र थे |

(iii) सिन्धु सभ्यता का सबसे बड़ा नगर मुहनजोदड़ो है |

(iv) आमतौर पर रेडियो नाटक की अवधि 15 मिनट की होनी चाहिए

) शब्दगुण तीन प्रकार के होते हैं |

(vi) इस मुहावरे का अर्थ है – अपने घर के अलावा दूसरे घर को अपना

(vii) क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्दों को क्रियाविशेषण कहते हैं |

प्रश्न क्र.

प्र० → 5. सत्य / असत्य –

(i) असत्य ।

(ii) असत्य ।

(iii) सत्य ।

(iv) असत्य ।

(v) असत्य ।

(vi) असत्य ।

प्र० → 6. भाषा हमारे विचारों का आदान-प्रदान करने का सशक्त माध्यम है भाषा को सहूलियत से बरतने का अभिप्राय है भाषा के शब्दों का सावधानी से चयन करना अथवा भाषा अर्थ के स्थान पर अनर्थ देती है। कवि कुँवर नारायण ने अपनी भाषा को को साहित्यिक बनाने का प्रयास किया परन्तु जानकारी के अभाव में वे अपनी ही बातों में उलझते चले गए। इसलिए कहा गया है की हमें भाषा का प्रयोग करते समय सावधानी बरतनी चाहिए।

प्र० → 7. 'उषा' कविता में भोर के नभ की तुलना नीले शंख से की है। जिस प्रकार नीले शंख में श्वेत और नीले रंग का मिश्रण दिखाई देता है उसी प्रकार भोर यानी प्रातःकाल के समय आसमान में नीले और श्वेत रंग का मिश्रण दिखाई देता है। 'उषा' कविता में कवि ने भोर के नभ का अत्यंत ही सुंदर चित्रण किया है।

प्रश्न क्र.

प्र० → 8. भक्तिन के आने पर महादेवी वर्मा के अस्तित्व पर देहाती संस्कृति का अधिक प्रभाव दिखाई देने लगा था। भक्तिन ने महादेवी वर्मा को देहाती संस्कृति से अवगत करा दिया था। प्रारंभ में महादेवी वर्मा को गुण, दूध, आदि पसंद नहीं था परन्तु भक्तिन के आने पर उन्होंने यह सब खाना शुरू कर दिया। सुविधाओं के प्रयोग स्थान पर वह असुविधाओं को दूर करने के बारे में विचार करने लगी थी। इस प्रकार हम कह सकते हैं भक्तिन के आने पर महादेवी अधिक देहाती हो गई।

प्र० → 9. ढोलक की आवाज पूरे गाँव में संजीवनी शक्ति भरने का काम करती थी। वह ढोलक की आवाज बुखार की दवा का कार्य तो नहीं करती थी परन्तु यह कहा जा सकता है की [illegible] हुए व्यक्ति को कष्ट नहीं होता था। ढोलक की आवाज [illegible]कर गाँव वालों की आँखों के सामने कुश्ती का चित्र उपस्थित हो जाता था और उन्हें हिम्मत और शक्ति मिलती थी।

प्र० → 10. कविता के प्रति लगाव से पहले लेखक को अकेलापन बहुत चुभता था। वह जब खेती करता, गाय का दूध निकालता तब से बहुत अकेला महसूस होता था और वह बात करने के लिए एक साथी चाहता था परन्तु कविता के प्रति लगाव के बाद वह अकेलेपन का आनंद लेने लगा था। वह गीत गाता था, कविताएँ लिखता था, और अपने मराठी के शिक्षक को दिखाता था। वह उसे शाबाशी भी देते थे जिससे उसका आत्मविश्वास बढ़ता था।

प्र० → 11. समाचार लेखन में मुख्यत: इन छः सवालों के जवाब देने की कोशिश की जाती है, इन्हें हम ककार भी कहते हैं:-

कब?   किसने?

कहाँ?   4. कैसे?

3. क्यों?   5. किसे?

6.

M P B S E

MPBSE

प्रश्न क्र.

प्र० → 12. करुण रस → जब किसी काव्य को पढ़कर, सुनकर या देखकर 'शोक' स्थायी भाव जाग्रत होता है, तब उसे करुण रस कहते हैं। जैसे –

"देख सुदामा की दीन दशा, करुणा करि करुणानिधि रोए
पानी परात से हाथ छुऔ नहीं, नैनन के जल से पग धोए"।

यह पर सुदामा जी की दीन दशा देखकर कृष्ण जी के मन में करुणा रस की उत्पत्ति हुई।

प्र० → 13. अभिधा शब्द शक्ति → अभिधा शब्द-शक्ति हिन्दी में शब्द-शक्ति का महत्वपूर्ण प्रकार है। वह शब्द शक्ति जो शब्द और अर्थ शब्द और अर्थ के संबंध को शब्द के अर्थ के माध्यम से बताती है। जैसे– श्याम

श्याम का अर्थ होता है काला।

प्र० → 14. मुहावरे और लोकोक्ति में अंतर इस प्रकार है–

मुहावरे	लोकोक्ति
1. मुहावरे वाक्यांश के बीच में प्रयोग होते हैं।	1. लोकोक्ति एक वाक्यांश होती है जो कहीं भी प्रयोग की जा सकती है।
2. मुहावरे स्वतंत्र रूप से प्रयोग नहीं किए जा सकते हैं।	2. लोकोक्ति स्वतंत्र रूप से प्रयोग की जा सकती है।

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश
BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

प्र० → 15. वाक्यों को शुद्ध किजीए -

(i) ईश्वर के अनेक नाम हैं।

(ii) मुझे केवल बीस रुपये दीजीए।

प्र० → 16. कवि - परिचय -

तुलसीदास

(i) दो रचनाएँ - (i) रामचरित मानस (महाकाव्य)
(ii) विनय पत्रिका

(ii) भाव - पक्ष - आपकी भाषा आम बोल-चाल की भाषा थी और पाठकों के हृदय के अत्यंत समीप थी। काशी में रहने के कारण आपने ज्यादातर काव्य अवधि भाषा में लिखे परन्तु आपने ब्रजभाषा का भी प्रयोग किया। आपने अपनी रचनाओं में मुहावरे और लोकोक्ति का भरपूर प्रयोग किया। आपने सभी रसों में रचना की परन्तु अपने महाकाव्य रामचरित मानस में श्रृंगार रस, वीर रस और शांत रस की त्रिवेणी की। आपने तत्सम तद्भव शब्दों का ऐसे प्रयोग किया जैसे किसी ने चुन-चुन कर मोतियों की माला बनाई हो।

(iii) कला - पक्ष - आपने अपने काव्य में छंद और अलंकार का बहुत ही सुंदर प्रयोग किया है। अनुप्रास, यमक, रूपक अलंकार और दोहा, सोरठा और चौपाई छंद से अपने काव्य की सुंदरता बढ़ाई। आपका कला पक्ष भी उतना ही प्रबल है जितना प्रबल आपका भाव पक्ष है।

M
P
B
S
E

प्रश्न क्र.

(iv) साहित्य में स्थान → आप भक्तिकाल के प्रसिद्ध कवियों में से एक हैं। अपनी रचनाओं से आपने भक्तिकाल में भरपूर योगदान दिया है। आपके बिना भक्तिकाल सूना-सूना लगेगा, आप हिन्दी साहित्य के आसमान में ध्रुव तारे की तरह सदैव चमकते रहेंगे।

प्र० → 17 जीवन परिचय

महादेवी वर्मा

(i) रचनाएँ - (i) यामा (निहार, नीरजा, रश्मि, सांध्यगीत का संकलन)
(ii) स्मृति की रेखाएँ

(ii) भाषा शैली - भाषा हमारे विचारों का आदान-प्रदान करने का सशक्त माध्यम है। आपकी भाषा खड़ी भाषा है। आपने अपनी कविताओं में तत्सम-तद्भव शब्दों का भरपूर प्रयोग किया है। आपने कुल 236 कविताएँ लिखी। आपने अपनी रचनाओं में समास शैली और व्यास शैली का प्रयोग किया है।

(iii) साहित्य में स्थान → आप छायावाद के चार स्तंभों में से एक हैं। आपने रेखाचित्र और संस्मरण के क्षेत्र में भरपूर योगदान दिया है। आपके बिना रेखाचित्र और संस्मरण का क्षेत्र अधूरा है। आपने छायावाद और हिन्दी साहित्य में अपनी लेखनी से भरपूर योगदान दिया है। आपका स्थान अद्वितीय है।

MPBSE

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश
BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

प्र० → 18

	तत्सम	तद्भव
1.	संस्कृत के वे शब्द जो हिन्दी में अपने असल रूप में प्रयोग किये जाते हैं, उन्हें तत्सम शब्द कहते हैं	1. संस्कृत के वे शब्द जो हिन्दी में रूप बदलकर उपयोग किए जाते हैं, उन्हें तद्भव शब्द कहते हैं।
2.	शब्दों का रूपांतरण नहीं किया जाता।	शब्दों का रूपांतरण किया जाता है।

जैसे —

	तत्सम	तद्भव
(1)	अक्षि →	आँख
(2)	अंगुली →	ऊँगली

प्र० → 19. (i) "शौर्य भाव का महत्व"।

(ii) राष्ट्रीय भावना में शौर्य भाव का अपना एक विशिष्ट स्थान है।

(iii) अनोखा।

MPBSE

मध्यप्रदेश
MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYED

प्रश्न क्र.

प्र०→ 20. पद्यांश –

संदर्भ – प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक आरोह भाग-2 की कविता 'कविता के बहाने' से ली गई है जिसके कवि तृतीय तारसप्तक के कवि कुँवर नारायण हैं।

प्रसंग – प्रस्तुत पद्यांश में कवि कविता और चिड़िया की उड़ान की तुलना करते हुए कहते हैं की –

व्याख्या – कविता की उड़ान और चिड़िया की उड़ान में बहुत फर्क है। कविता की उड़ान असीमित होती है परन्तु चिड़िया की उड़ान सीमित होती है। कविता कल्पना के पंख लगाकर किसी भी देश की सीमा को पार कर सकती है परन्तु चिड़िया की उड़ान केवल एक सीमित स्थान तक है। वह केवल एक स्थान से दूसरे स्थान पर उड़ सकती है। कविता कवि की कल्पना के पंख लगाकर कहीं भी उड़ सकती है। कहा गया है न की जहाँ न पहुँचे रवि वहाँ पहुँचे कवि।

विशेषता –
1. सरल व सहज भाषा का प्रयोग।
2. मार्मिक प्रस्तुतीकरण
3. कविता और चिड़िया की उड़ान की तुलना।
4. तत्सम – तद्भव शब्दों का सुंदर प्रयोग।

M
P
B
S
E

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

प्र०-२१. संदर्भ - प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक आरोह भाग-2 के पाठ - 2 बाजार दर्शनसे लिया गया है जिसके कवि जैनेंद्र कुमार हैं।

प्रसंग - इस गद्यांश में कवि पैसे की पावर के बारेमें बताते हुए कहा गया है की -

व्याख्या - पैसे की शक्ति का वर्णन करते हुए कहा गया है पैसा पावर है। यानी इंसान की पावर पैसे के माध्यम से देखी जाती है। ~~कवि कह~~ लेखक कहते हैं की पैसे की पावर तो तब दिखती है जब व्यक्ति के पास बड़ा मकान हो, बड़ी गाड़ी हो, नौकर-चाकर हो, यदि बैंक बैलेंस के हिसाब से देखा जाए तो एकबार को पैसे की पावर का पता न चल पाए परन्तु मकान कोठी से तो पैसे की पावर अनदेखी भी दिखती है। पैसे की इसी पर्चेजिंग पावर में रस है।

विशेष - 1. सरल व सहज भाषा का प्रयोग।
2. देशज - विदेशी शब्दों का प्रयोग।
3. पैसे की पावर का वर्णन।

M P B S E

प्रश्न क्र.

प्र० 22. पत्र –

~~सेवा मे,~~

~~नगरपालिका,~~
~~जबलपुर~~

~~विषय– जल आपूर्ति~~

न्यू हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी
मुरैना (मं.प्र.)
दिनांक– 19.02.2022

प्रिय कमलेश,
सप्रेम नमस्ते।

मैं आशा करता हूँ तुम स्वस्थ और कुशल होगी। मुझे तुम्हें यह बताते हुए अत्यंत खुशी हो रही है की मेरे बड़े भाई का विवाह निश्चित हो गया है। मैं तुम्हें अपने बड़े भाई के विवाह में तुम्हारे परिवार के साथ आने का निमंत्रण देता हूँ। शादी की विधियाँ दिनांक– 22.02.2022 को प्रारंभ होंगी और 26.02.22 के शुभ अवसर पर विवाह होगा।

मैं आशा करती हूँ की तुम मेरे इस आमंत्रण पत्र को स्वीकार करोगे और अपने परिवार के साथ मेरे बड़े भाई को आशीर्वाद देने आओगे और खुशियों में शामिल होने आओगे।

तुम्हारी प्रिय
खुशबू शिवहरे।

M
P
B
S
E

प्रश्न क्र.

प्र० → 23.

छात्रजीवन मे अनुशासन

छात्रजीवन में छात्र नयी-नयी चीजें सीखता है, उसमे दुनिया को देखने का एक नया नजरिया होता है और वह नई-नई चीजे सीखने के लिए उत्सुक रहता है। परन्तु इस उम्र मे कई ऐसी आदतें भी होती है जो छात्र के जीवन को बर्बाद कर सकती है। वह अपने लक्ष्य से भटक सकता है।

अनुशासन छात्र के जीवन मे एक बहुत ही महत्वपुर्ण भूमिका निभाता है। छात्र को अपने जीवन मे लक्ष्य प्राप्ति के लिए अनुशासन का पालन करना ही होगा। आज तक अनुशासन का पालन किए बिना कोई भी व्यक्ति अपने लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर पाया है और न ही कभी कर पाएगा।

छात्र को अपने जीवन में आलस्य को त्यागकर अनुशासन का पालन करना चाहिए ताकि वह अपने जीवन में कोई मुकाम हासिल कर सके।

कुछ ऐसी आदतें है जो किसी भी विद्यार्थी को उसके जीवन में कठिन परिश्रम के साथ सफल बना सकती है और उसे अपना लक्ष्य प्राप्त करने मे सहायता करती हैं जैसे - जल्दी सोने, समय पर जागना, अपने जरूरी काम को कल के लिए न टालना, अपना काम समय पर पूर्ण करना, नियमित रूप से कसरत करना, अपनी सेहत का ख्याल रखना इत्यादि।

कोई भी व्यक्ति हो अगर वह अपने जीवन में अनुशासन का पालन नहीं करता तो वह जीवन में कुछ भी हासिल नहीं कर पाएगा।

M P B S E

पृष्ठ 14 के अंक

प्रश्न क्र.

कोई भी छात्र हो चाहे वो [illegible] की बात हो या पढ़ाई की विद्यार्थी को अनुशासन का पालन करना महत्वपूर्ण है। छात्र को पूरे समय पढ़ाई ही नहीं करनी, उसे बाहर सैर करना चाहिए, समाचार पत्र पढ़ना चाहिए और अपना ज्ञान बढ़ाना चाहिए। यदि कोई भी व्यक्ति जीवन में सफल होना चाहता है तो अनुशासन महत्वपूर्ण है। कहा जा सकता है "अनुशासन ही सफलता की कुंजी है।"

MPBSE